# ज्ञापन

प्रति,

मुख्यमंत्री,

हरियाणा सरकार,

**विषय - भोंडसी जेल में बंद मारुती सुजुकी के सभी मजदूरों की**

**रिहाई तथा कम्पनी प्रबंधन को सजा दिलाने के बारे में**

महोदय,

गुड़गांव के मानेसर स्थित मारुती प्लांट में 18 जुलाई कों हुए घटनाक्रम में प्रशासन द्वारा मजदूरों के खिलाफ एकतरफा कार्यवाही कर लगभग 160 मजदूरों को जेल में ठूस दिया है | पुलिस थाने में इन गिरफ्तार लोगों को बेरहमी से टार्चर किया गया जैसे कि हमारे बच्चे कोई पेशेवर अपराधी हों | हम मारुती के मजदूरों के परिजन को भी बिना किसी कारण पुलिस द्वारा प्रताडित किया गया तथा उन्हें थाने में दो-दो दिन तक गैरकानूनी तरीके से बिठाए रखा गया | हमें ऐसा लगने लगा है कि कानून-व्यवस्था जनता के हितों कि रक्षा करने की जगह कंपनी प्रबंधन के आगे नतमस्तक है |

हम जेल में बंद अपने बच्चों-भाईयों से बात कर तथा पहले से ही कंपनी के माहौल के बारे में जानते हुए इस निष्कर्ष पर पहुँचे हैं कि - मारुती कंपनी भारतीय कानूनों, श्रम कानूनों का पालन नहीं करती है | कंपनी गैरकानूनी तरीकों से गूंडों (बाउंसर) को पालती है | 18 तारीख को भी कंपनी प्रबंधन ने बाउंसरों से यूनियन नेताओं पर हमला करवाकर हजारों मजदूरों को षड़यंत्र में फंसा दिया है | यहाँ तक कि एक मैनेजर की मृत्यु का भी इलज़ाम मजदूरों पर मढ दिया गया है | जबकि इस मैनेजर के मजदूरों के साथ सम्बन्ध काफी मधुर थे | मजदूरों का कहना है कि कंपनी में आग हमने नहीं लगाई बल्कि मजदूरों को फंसाने के लिए कंपनी ने अपने गुंडों के माध्यम से ही लगवाई होगी ताकि मामले को और भयावह बनाया जा सके | मजदूरों का कहना है कि कंपनी प्रबंधन ने सुबह 11 बजे से ही सी.सी.टी.वी. कैमरे को बंद कर रखा था तथा उन्हें खुद ही कंपनी प्रबंधन ने तुडवाया है ताकि कोई सबूत नहीं मिले | कैमरों की सारी जानकारी आखिर मजदूरों को कैसे हो सकती है | कंपनी ने घटनाक्रम को बढा चढा कर प्रचारित किया है | आखिर 18 अगस्त से गंभीर रूप से घायल प्रबंधक ड्यूटी कैसे ज्वाइन कर सकते हैं |

महोदय, प्रशासन ने जातिसूचक गाली देने वाले सुपरवाईजरों के खिलाफ अभी तक कोई एफ.आई.आर दर्ज नहीं की है | थाने में गिरफ्तार मजदूरों से सादे कागजों पर हस्ताक्षर करवाए गए हैं | जबरदस्ती उन्हें मारपीट कर झूठे बयान लिए गए हैं |

घटना के बाद कंपनी प्रबंधन ने गैरकानूनी तरीके से 546 मजदूरों को नौकरी से नकाल दिया है | इसमें भारी तादाद हरियाणा के मजदूरों की है | कंपनी प्रबंधन हरियाणा के मजदूरों को कंपनी में न रखने का षड़यंत्र रच रहे हैं |

देश में क़ानून का राज होना चाहिए, जनता की चुनी हुई सरकार को जनता के साथ न्याय करना चाहिए | न्याय की उम्मीद के साथ हम आपसे मांग करते हैं -

1. 18 जुलाई की रात से गिरफ्तार सभी मजदूरों को तत्काल बिना शर्त रिहा करो |
2. मैनेजमेंट के खिलाफ हत्या और षड्यंत्र के केस दाखिल करो |
3. 546 बर्खास्त श्रमिकों को काम पर वापस लो |
4. मजदूरों तथा परिजनों का उत्पीडन करने वाले पुलिस कर्मियों को सजा दो |
5. कानूनों - श्रम कानूनों का उलंघन करने वाले फैक्ट्री मालिकों पर अंकुश लगाओ |

हम हैं -

## मारुती मजदूरों के परिजन

**परिजन के हस्ताक्षर** **मजदूर का नाम**